Date: 08.06.2022

A two week intensive ITEC training programme on "Recent Trends and Challenges in Regulation and Standardization of Herbal Drugs and Formulations"
At NIPER-SAS Nagar, Punjab, India

Under India's Foreign Policy of Ministry of External Affairs, GOI, National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), S.A.S. Nagar has been chosen by the Ministry of External Affairs, GOI, to conduct ITEC (Indian Technical and Economic Cooperation) programmes in the field of Pharmaceuticals. The ITEC Programme was instituted by a decision of the Indian Cabinet on 15 September 1964 as a bilateral programme of assistance of the Government of India. The Development Partnership Administration (DPA)-III was set up in the Ministry of External Affairs in January 2012. The ITEC Programme is fully funded by the Government of India, has evolved and grown over the years. Under ITEC India has economic cooperation with 161 countries in Asia, Africa, East Europe, Latin America, the Caribbean as well as Pacific and Small Island countries are invited to share in the Indian developmental experience. NIPER is conducting such training programmes since last 23 years.

NIPER SAS Nagar is organizing a two-week Intensive Training Program on **Recent Trends and Challenges in Regulation and Standardization of Herbal Drugs and Formulations** (from 8th June to 17th June 2022). There are total 25 participants from 13 countries (Azerbaijan, Bangladesh, Cambodia, Ethiopia, Libya, Malawi, Sudan, Tajikistan, Tanzania, Thailand, Togo, Tunisia and Zambia) with background of Drug Regulatory, Pharmacist and Quality Control, are attending this course.

The Course Coordinator, Prof. Sanjay Jachak, Head, Department of Natural Products welcomed the participants. He gave brief detail of the historical development of NIPER being chosen as nodal centre due to smooth conduct of training component under Capacity Building Project and 'excellent' feedback by the World Bank, the sponsor of the project. He further mentioned that in the last decade, the use of traditional medicines (TM) and Complementary and Alternative Medicines (CAM) has seen an upsurge in both developed and developing countries and herbal drugs/botanicals are integral part of TM and CAM. Therefore, these medicines play an increasingly important role in health care sector. He further mentioned that checking of quality of the herbal drugs is very challenging because there is a lack of common standards and understanding of appropriate methods for evaluation to ensure the safety, efficacy and quality control of TM/CAM. As a result the countries face major challenges in the development and implementation of the regulation of TM/CAM / herbal medicines.

Prof. Dulal Panda, the Director, NIPER-SAS Nagar inaugurated the function and he mentioned that in addition to education and training there will be cultural exchange

and friendship among the participants from 13 different countries. Further, once they go back to their countries, there will be cooperation within these 13 countries and India. He welcomed and wished good luck to the participants.

The vote of thanks was proposed by Sh. JK Chandel, Officiating Registrar, NIPER SAS Nagar. He thanked the Ministry of External Affairs, Ministry of Chemicals and Fertilizers, Dept. of Pharmaceuticals for providing all the required help to organize this Event. He further thanked the ITEC Organizing Committee, Administration, Accounts Section and Engineering Section and others for working hard to make the programme a success.

दिनांक: **08.06.2022**

<u>नाईपर-एस.ए.एस. नगर, पंजाब, भारत में 'रीसेंट ट्रेंड्स एंड चेलेंजिस इन रेगुलेशन एंड स्टैण्डर्डआईज़ेशन ऑफ़ हर्बल ड्रग्स एंड फोर्मुलेशन" पर दो सप्ताह का गहन आईटेक (ITEC) प्रशिक्षण कार्यक्रम</u>

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार की विदेश नीति के तहत राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर), एस.ए.एस. नागर को विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा फार्मास्युटिकल्स के क्षेत्र में आईटेक (भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग) कार्यक्रम आयोजित करने के लिए चुना गया है। आईटेक कार्यक्रम की स्थापना 15 सितंबर 1964 को भारत सरकार की सहायता के द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में भारतीय मंत्रिमंडल के एक निर्णय द्वारा की गई थी। डेवलपमेंट पार्टनरशिप एडमिनिस्ट्रेशन (डीपीए)-III की स्थापना जनवरी 2012 में विदेश मंत्रालय में की गई थी। आईटेक कार्यक्रम पूरी तरह से भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है जो वर्षों से विकसित हुआ है। I आईटेक के तहत भारत का एशिया, अफ्रीका, पूर्वी यूरोप, लैटिन अमेरिका, कैरिबियन के साथ-साथ प्रशांत और छोटे द्वीप देशों में 161 देशों के साथ आर्थिक सहयोग है जिन्हें भारतीय विकास के अनुभव को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। नाईपर पिछले **23** वर्षों से ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

नाईपर एस.ए.एस. 'रीसेंट ट्रेंड्स एंड चेलेंजिस इन रेगुलेशन एंड स्टैण्डर्डआईज़ेशन ऑफ़ हर्बल ड्रग्स एंड फोर्मुलेशन" पर (8 जून से 17 जून 2022 तक) दो सप्ताह का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। ड्रग रेगुलेटरी, फार्मासिस्ट और क्वालिटी कंट्रोल की पृष्ठभूमि वाले **13** देशों (अजरबैजान, बांग्लादेश, कंबोडिया, इथियोपिया, लीबिया, मलावी, सूडान, ताजिकिस्तान, तंजानिया, थाईलैंड, टोगो, ट्यूनीशिया और जाम्बिया) के कुल **25** प्रतिभागी इस कोर्स में भाग ले रहे हैं। .

पाठ्यक्रम समन्वयक प्रो. संजय जाचक, विभागाध्यक्ष, प्राकृतिक उत्पाद विभाग ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने क्षमता निर्माण परियोजना (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोजेक्ट) के तहत प्रशिक्षण कॉम्पोनेन्ट को संभालने के लिए नोडल केंद्र के रूप में चुने जा रहे नाईपर के ऐतिहासिक विकास का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि पिछले दशक में, पारंपरिक दवाओं (टीएम) और पूरक और वैकल्पिक दवाओं (सीएएम) के उपयोग में विकसित और विकासशील दोनों देशों में तेजी देखी गई है और हर्बल दवाएं / वनस्पति पारंपरिक दवाओं और पूरक और वैकल्पिक दवाओं का अभिन्न अंग हैं। इसलिए, ये दवाएं स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि हर्बल दवाओं की गुणवत्ता की जांच करना बहुत चुनौतीपूर्ण है क्योंकि टीएम/सीएएम की सुरक्षा, प्रभावकारिता और गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांकन के लिए सामान्य मानकों और उचित तरीकों की समझ का अभाव है। परिणामस्वरूप देशों को टीएम/सीएएम/हर्बल दवाओं के विनियमन के विकास और कार्यान्वयन में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

नाईपर –एस.ए.एस. नगर के निदेशक प्रो. दुलाल पांडा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उन्होंने उल्लेख किया कि शिक्षा और प्रशिक्षण के अलावा 13 विभिन्न देशों के प्रतिभागियों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और दोस्ती होगी। इसके अलावा, एक बार जब वे अपने देशों में वापिस जायेंगे, तो इन 13 देशों और भारत के भीतर अच्छा सहयोग होगा। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं।

श्री जितेन्द्र कु. चंदेल, कार्यवाहक कुलसचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया । उन्होंने इस कार्यक्रम को आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए विदेश मंत्रालय, भारत सरकार तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, फार्मास्युटिकल विभाग को धन्यवाद दिया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए आईटेक आयोजन समिति, प्रशासन, लेखा अनुभाग और इंजीनियरिंग अनुभाग और अन्य को धन्यवाद दिया।